कविता पाठ योजना

विषय -हिंदी। **सत्र: 2023-24** **समय: 40मिनट**

उपविषय-सरोज स्मृति (सूर्यकांत त्रिपाठी निराला)

अधिगम प्रतिफल:-

1. **ज्ञानात्मक**
    - शोकगीत करुणरस से परिचित कराना ।
    - कविता का रसास्वादन करना।
    - कविता की विशेषताओं की सूची बनाना।
    - कविता की विषयवस्तु को पूर्व में सुनी या पढ़ी हुई कविता से संबद्ध करना।
    - नए शब्दों के अर्थ समझ कर अपने शब्द भंडार में वृद्धि करना।
    - साहित्य के पद्य विधा (कविता) की जानकारी देना
    - छात्रों को कवि एवं उनके साहित्यिक जीवन के बारे में जानकारी देना।

2. **अधिगम उद्देश्य**:
    - सामान्य एवं व्यावहारिक ज्ञान में वृद्धि करना।
    - छात्रों को कविता समझ-सकने योग्य बनाना।
    - छात्रों को शुद्ध उच्चारण एवं वाचन क्रिया में प्रशिक्षित करना।
    - छात्रों में तर्क-शक्ति की क्षमता विकसित करना।
    - छात्र को पद्य साहित्य की समीक्षा करने के योग्य बनाना।
    - छात्रा को विविध पद्य शैलियों से परिचित कराना।
    - छात्रों को लिपि ज्ञान में समृद्ध बनाना।

3. **कौशलात्मक**-
    - स्वयं कविता लिखने व तुकबंदी योग्यता का विकास करना।
    - शोक से संबंधित कविताओं की तुलना अन्य कविताओं से करना।
    - करुण रस संबंधित कविता लिखने के कारण से परिचित करवाना।

4. **बोधात्मक**-
    - वेदना से भरी काव्यकृतियों एवं जगत के व्यवहार पर प्रकाश डालना।
    - रचनाकार के उद्देश्य को स्पष्ट करना।
    - कविता में वर्णित भावों को हृदयंगम करना।

5. **प्रयोगात्मक**
    - कविता के भाव को अपने दैनिक जीवन के व्यवहार के संदर्भ में जोड़कर देखना ।
    - इस कविता की तुलना कवि की अन्य रचनाओं से करना ।
    - कविता का केन्द्रीय भाव अपने शब्दों में लिखना ।

<u>अधिगम संसाधन</u>:-

- चाक, डस्टर आदि ।
- चार्ट,पावरप्वाइंट के द्वारा कविता की प्रस्तुति।

<u>अधिगम विधि-</u>

अर्थ कथन,व्याख्या, आदर्श वाचन, अनुकरण विधि, विश्लेषण,प्रश्नोत्तर एवं समीक्षा विधि।

<u>पूर्वज्ञान:-</u>

1. कविता रचना के बारे में ज्ञान है।
2. अलंकार का प्रारंभिक ज्ञान है।
3. सूर्यकांत त्रिपाठी की विभिन्न कविताओं से अवगत है।
4. साहित्यिक लेख की थोड़ी-बहुत जानकारी है।
5. मानवीय स्वभाव की अनुभूति कर सकते हैं।

अध्यापक क्रिया:-	**छात्र क्रिया**:-
प्रस्तावनाप्रश्न 1. बच्चो! क्या आपने कोई शोक कविता पढ़ी है? 2. क्या आपने सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की कोई रचना पढ़ी है? 3. कवि की रचनाओं को आप कितना अनुभूत करते हैं? 4. कठिनाइयों से हमारे जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है । 5. उनकी बेटी क्या नाम था? 6. अपने बेटे की याद में कौन सी कविता लिखी?	• हां • बादल राग • उनकी कविता गुस्से वाली होती हैं। • हम परेशान हो जाते हैं। • सरोज • समस्यात्मक

<u>उद्देश्य कथन :</u>- बच्चो! आज हम कवि ' सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की कविता "सरोज स्मृति" पढ़ेंगे।

<u>कवि व कविता परिचय:-</u>

<u>"सूर्यकांत त्रिपाठी"</u> जी का जीवन बहुत ही कष्टदायक रहा है उनका जीवन उनके ही शब्दों में कहें तो दुःख की कथा-सा है। तीन वर्ष की आयु में उनकी माँ का और बीस वर्ष के होते-होते उनके पिता का देहांत हो गया। बेहद अभावों में संयुक्त परिवार की ज़िम्मेदारी उठाते हुए निराला पर एक और आघात तब हुआ, जब पहले महायुद्ध के बाद फैली महामारी में उनकी पत्नी मनोहरा देवी का भी निधन हो गया। इस महामारी में उनके चाचा, भाई और भाभी का भी देहांत हो गया। इसके बाद की उनकी जीवन स्थिति को उनकी काव्य- -पंक्तियों से समझा जा सकता है।

“धन्ये, मैं पिता निरर्थक का. कुछ भी तेरे हित न कर सका ! जाना तो अर्थागमोपाय, पर रहा सदा संकुचित- -काय लख कर अनर्थ आर्थिक पथ पर हारता रहा मैं स्वार्थ समर।
ये पंक्तियाँ निराला की कालजयी कविता ‘सरोज स्मृति से हैं। यह कविता उन्होंने मात्र उन्नीस वर्ष आयु में मृत्यु को प्राप्त हुई अपनी बेटी सरोज की स्मृति में लिखी।

निराला का व्यक्तित्व घनघोर सिद्धांतवादी और साहसी था। वह सतत संघर्ष पथ के पथिक थे। यह रास्ता उन्हें विक्षिप्तता तक भी ले गया। उन्होंने जीवन और रचना अनेक संस्तरों पर जिया, इसका ही निष्कर्ष है कि उनका रचना-संसार इतनी विविधता और समृद्धता लिए हुए है। हिंदी साहित्य संसार में उनके आक्रोश और विद्रोह, उनकी करुणा और प्रतिबद्धता की कई मिसालें और कहानियाँ प्रचलित हैं। उनके जीवन का उत्तरार्द्ध इलाहाबाद में बीता। वहीं दारागंज नाम के मुहल्ले में 15 अक्टूबर 1961 को उनका देहावसान हुआ।

<u>प्रस्तुतीकरण:-</u>

	अध्यापकक्रिया:-	**छात्रक्रिया**:-	**श्यामपट्टकार्य**	**मूल्यांकन** :-
आदर्श वाचन	शिक्षण शुद्ध उच्चारण एवं विराम चिन्हों को ध्यान में रखते हुए उचित स्वर एवं भावपूर्ण वाणी में शब्दों के उतार-चढ़ाव के साथ प्रस्तुत कविता का आदर्श वाचन करेगा।			
अनुकरण वाचन	अध्यापक निर्देश देकर कुछ बच्चों से कविता का अनुकरण वाचन करने के लिए कहेंगे। अध्यापक ध्यानपूर्वक सुनते हुए छात्रों की त्रुटियों को नोट करेंगे। अध्यापक छात्रों की अशुद्धियों का निवारण करेगा। देखा विवाह आमूलनवल,तुझ पर शुभ पड़ा कलश का जल देखती मुझे तू हँसी मंद, होठों में बिजली फैंसीस्पंद उर में भर झूली छबि सुंदर प्रिय की अशब्दश्रृंगार-मुखर तू खुली एक उच्छवास -संग, विश्वास- स्तब्ध बंध अंग-अंग नत नयनों से आलोक उतर काँपा अधरों पर थर-थर-थर। देखा मैंने, वह मूर्ति धीति मेरे वसंत की प्रथम गीति **प्रसंग**:- प्रस्तुत काव्य पंक्तियां छायावादोत्तर कवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला द्वारा रचित है। इन काव्य पंक्तियों में	अध्यापक की आज्ञा अनुसार छात्र सस्वर वाचन करेंगे। कठिन शब्दों को अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखेंगे। छात्र पूर्वक सुनेंगे।		निम्न विधियों से मूल्यांकन किया जाएगा :- 1. पाठ्य पुस्तक के बोधात्मक प्रश्न- कविता के किन उपमानों को देखकर यह कहा जा सकता है कि कविता शोकग्रस्त है ? अपनी परिवेश से उपमानों का प्रयोग मूल्यांकन :- निम्न विधियों से मूल्यांकन किया जाएगा :- 1. पाठ्य पुस्तक के बोधात्मक प्रश्न-

	कवि निराला ने अपनी पुत्री सरोज के लिए शोक प्रकट किया है। **व्याख्या**:-कवि निराला अपनी पुत्री की अकाल मृत्यु केकारण अत्यधिक शोक में डूब चुके थे। कवि अपने दुखों के क्षण को याद करते हुए अपनी पुत्री के विवाह के दिन को याद करते हैं और कहते हैं कि तुम्हारा विवाह नए रूप में होते हुए मैंने देखा था। विवाह के दिन निराला जी की पुत्री के ऊपर कलश का शुभ जल छलककर गिरा था। उस वक्त पुत्री सरोज कवि निराला को देखकर काफी हंस पड़ी थी। कवि कहते हैं कि तेरे हृदय में अपने प्रियतम के प्रति एक ख़ास छवि झलक रही थी। जिसे व्यक्त कर पाना तेरे लिए संभव नहीं था क्योंकि तेरा पति तेरे श्रृंगार का एक माध्यम था जो स्पष्ट झलक रहा था।वसंत की पहली रचना पत्नी का स्वरूप लगती है। **काव्य सौंदर्य / विशेष** (1) इन पंक्तियों के माध्यम से विवाह के समय सरोज की लज्जा संकोच आदि हाव-भाव का स्वाभाविक चित्रण हुआ है। (2) अंग- अंग, थर-थर-थर में पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार है। (3) 'मूर्ति-धीति' में मानवीकरण अलंकार है। (4) 'नत नयनों से आलोक उतर' में अनुप्रास अलंकार है। (5) करुण रस विद्यमान है। (6) सरोज स्मृति एक शोकगीत है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे और अभ्यास पुस्तिका में लिखेंगे । अध्यापक द्वारा करवाए गए श्यामपट्ट कार्य को अपने अभ्यास पुस्तिका में लिखेंगे ।	**आमूल**-मूल या जड़ पूरी तरह, **नवल**-नया, उर-हृदय, **छबि**-छबि-छवि , **स्तब्ध**-स्थिर,हैरान, गतिहीन **उच्छवास**-ऊपर खींची गई सांस, **धीति**-प्यास,पान **स्पंद**-कंपन **पुनरुक्ति प्रकाशअलंकार मानवीकरण अलंकार**	कविता के किन उपमानों को देखकर यह कहा जा सकता है कि उषा कविता गाँव की सुबह का गतिशील शब्द चित्र है ? अपनी परिवेश से उपमानों का प्रयोग करते सूर्योदय और सूर्यास्त का शब्दचित्र खींचिए।

<u>पुनरावृति</u>

<u>इकाई परीक्षाएँ</u>

<u>गृह कार्य:-</u>

1. <u>सूर्यकांत त्रिपाठी निराला जी शोक में क्यों डूब चुके थे?</u>
2. <u>निराला की बेटी के विवाह के दिन में कलश से क्या छलक कर गिरा?</u>

<u>परियोजनाकार्य :-</u>

1. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की कविताओं का संग्रह करना।

2. पारिवारिक याद से संबंधित एक कविता लिखना ।